

व श्वाला लक्ष्मीं वा कुतूलाद्य - माहाई वादगल
 जदरी जगलद ई चिल्ली पुण्डि माकांतरण - यक
 42 mm 18 व 2 mm 0 व ई उची ई वाद - पत्र
 का केरई विरिष्य एकरे लकन नही आका ई
 वाद - पत्र गुलाबिडु रावीनाक लेक कडाकर सी
 काबक व डिक्की किका जाता ई, एक परिष्कारा
 गुटोक पंजीकन शुण्ड निमकानुषाए पेश होकर
 इकराक रीष्य वररुत शाहित किका जावे। श्वाला
 लक्ष्मीं सी ल्याम्प उचरी पेश होत पर पत्र डिक्की
 जायेई। पत्रावली किलवा शुण्ड होकर दारिल
 कपुतर सी जानी

आदेश पुनाका गका
 (Signature)
 सहायक कलक्टर
 एवं उपखण्डाधिकारी
 हनुमानगढ़